वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 132 | गुरुवार 5 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की बैठक

पुलिस फोर्स में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी

कार्मिक परिवारजन की सामाजिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय, पीपीओ में भी जुड़ सकेंगे विशेष योग्य बच्चों के नाम, 3,150 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में महिला सशक्तीकरण, विशेष योग्यजन एवं वृद्धजन कल्याण और प्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा तथा विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्रिमण्डल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले 'आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023' में हमने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल में महिलाओं की न्यूनतम 33 प्रतिशत भर्ती करने का वादा किया था। इसी संबंध में आज मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा इस बारे में शीघ्र अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और राजस्थान पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। साथ ही, महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस और अधिक संवेदनशीलता के साथ कार्य कर सकेगी।

अब विशेष योग्य बच्चे भी पीपीओ में जुड़ने के लिए पात्र

डॉ. बैरवा ने बताया कि मंत्रिमण्डल ने राज्य सरकार के कार्मिकों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य सरकार के कार्मिकों की सेवानिवृत्ति पर अन्य पात्र सदस्य के नहीं होने पर स्थायी रूप से विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता और विशेष योग्य भाई-बहनों का नाम भी पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) में जोड़ा जा सकेगा। इसके लिए केन्द्र सरकार के पेंशन नियमों के अनुरूप ही राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 67 एवं 87 में संशोधन किए जाने की मंजूरी प्रदान की गई है।

पेंशनर्स को मिलेगा 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान पेंशनर्स को राहत देते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की थी। इस क्रम में राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 54बी को प्रतिस्थापित किए जाने की मंजूरी भी आज कैबिनेट में प्रदान की गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना में दो और सेवाएं शामिल

पटेल ने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियो को राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों में 2 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के संबंध में खिलाड़ियों की परिभाषा को सुस्पष्ट करने के लिए दिनांक 21 नवम्बर, 2019 को अधिसूचना जारी की गई थी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों के संबंध में इस स्पष्टीकरण को प्रतिस्थापित किए जाने के समय यह प्रावधान दो सेवा नियमों ''राजस्थान लैंग्वेज एण्ड लाइब्रेरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2013'' एवं ''राजस्थान एक्साइज लैबोरेटरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2015'' में सम्मिलित किए जाने से रह गए थे। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों संबंधी स्पष्टीकरण को इन सेवा नियमों में शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन के प्रारूप का आज मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदन किया गया।

जैसलमेर के रामगढ़ में लगेगी 3000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना

विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य सरकार बिजली उत्पादन बढ़ा कर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में आज कैबिनेट की बैठक में 3 हजार 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृतियां प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि क्रिस्टेलाइन टेक्नोलॉजी विद ट्रैकर पर आधारित 3000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले की उपनिवेशन तहसील रामगढ़ नं.-1 में लगाई जाएगी। राजस्थान भू-राजस्व (नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर आधारित शक्ति संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन) नियम, 2007 के अंतर्गत कुल 6877.66 हैक्टेयर भूमि इस प्रोजेक्ट के लिए आवंटित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के लिए जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील में 300 हैक्टेयर भूमि आवंटन के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

बंगाली बाबा मंदिर में गणपति महोत्सव 6 व 7 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में श्री महागणपति महोत्सव आगामी 6 व 7 सितम्बर को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान

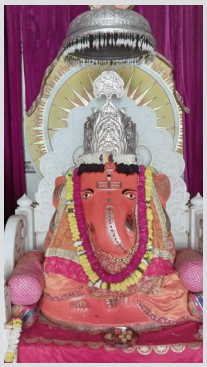

दुग्धाभिषेक, श्रंगार, पंचामृत अभिषेक, आरती व भजन संध्या के सहित कई धार्मिक आयोजन होंगे। महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि महोत्सव के तहत आज पुष्य नक्षत्र में प्रथम पूज्य का दुग्धाभिषेक कर श्रंगार किया गया,जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। उन्होंने बताया कि आगामी 6 व 7 नवम्बर को श्री महागणपति महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव के पहले दिन 6 को पंचामृत अभिषेक,सिंदूर अर्पण के बाद सिंजारा पर्व मनाया जाएगा। महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल ने बताया कि गणेश चतुर्थी को सुबह 5 बजे मोदक अर्पण के बाद दोपहर 1 बजे आरती व साम को 6 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा।

फाउंड्री ओनर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष केडिया व महासचिव मूंदड़ा का स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। फाउंड्री ओनर्स एसोसिएशन राजस्थान की विश्वकर्मा स्थित रीक्रिएशन क्लब में एजीएम हुई। इस मौके पर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मधुसूदन केडिया व महासचिव केशव मूंदड़ा का फूल माला पहनाकर स्वागत करते हुए इस पद चुने जाने की बधाई दी। इस मौके पर महासचिव केशव मूंदड़ा ने बताया कि राजस्थान में करीब 300 फाउंड्री इकाइयों है,जिनसे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार ने एक गजट नोटिफिकेशन द्वारा फाउंड्री उद्योग की कास्ट आयरन उत्पादन करने वाली सभी इकाइयों को सर्टिफिकेशन आवश्यक कर दिया है इसमें सभी उद्योगों पर यह आपदा साबित होगी। इस मामले में महासचिव ने केंद्र सरकार को विभिन्न संस्थाओं मार्फत निवेदन किया है कि चप्पल जैसे उद्योग (50 करोड़ टर्नओवर तक की इकाइयों) को सर्टिफिकेशन की जरूरत नहीं है। उसी प्रकार 50 करोड़ टर्नओवर तक की कास्ट आयरन उत्पाद बनाने वाली फाउंड्री इकाइयों को भी सर्टिफिकेशन नहीं लेने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए इस मामले में आदेश देने अन्यथा पूरे देश में उद्योग बंद होने की कगार पर आएंगे। उन्होंने राजस्थान सरकार से भी आग्रह किया है कि बिजली से चलने वाली इंडक्शन फर्नेस इकाइयों को गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड मैं ग्रीन कैटेगरी दी है जबकि स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने ऑरेंज कैटेगरी दी हैं। इससे राजस्थान में नए फाऊंडरी उद्योग आ नहीं रहे हैं और आसपास के राज्य उन्हें काफी सहयोग देकर आगे बढ़ रहे हैं,जिसके चलते राजस्थान औद्योगिक करण में भी पिछड़ रहा है।

युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा. ने कहा...

बाहर की अंधी दौड़ को रोकने और सांसारिक इच्छाओं से मुक्ति दिलाता है पर्युषण पर्व

चैन्नेई. शाबाश इंडिया

बाहर की अंधी दौड़ को रोकने और सांसारिक इच्छाओं से मुक्ति दिलाता है पर्युषण महापर्व बुधवार को एएमकेएम के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने पर्युषण पर्व के चौथे दिन धर्मसभा मे श्रध्दांलुओ से कहाँ कि अनादिकाल से हम इकट्ठा करने की दौड़ में भागे जा रहे हैं। हमें अपेक्षा तो बहुत की होती है। हम उस चक्कर में भागे ही जा रहे हैं। हम क्यों भाग रहे हैं, कब तक भागेंगे। चौबीसों घंटे जागते, सोते यही सोचते हैं हमें यह भी मिल जाए, वह भी मिल जाए। हम रुकेंगे तो ही पता चलेगा कि हम कितने भागे। बाहर की अंधी दौड़ को रोकने हेतु यह पर्युषण पर्व आया है। धन्य है उन तपस्वियों को, जिन्होंने इस संसार की दौड़ से रोक लगाई है। भगवान कहते हैं सारा संसार भी तेरा हो जाए, सारा धन तुझे मिल जाए, वह भी अपूर्ण है। तू उसको न पचा सकता है और न ही वह तृप्ति दे सकता है। जितना भी इकट्ठा करो, वह अपर्याप्त है। कितना भी इकट्ठा कर लो, भोग कितना कर पाओगे। उन्होंने कहा जिस समय व्यक्ति समझे, कभी तो उसे रुकना है, तब ही वह रुक सकता है। भगवान कहते हैं यह दौड़ अनादिकाल से चलती आ रही है। इस दौड़ की कीमत हम समझ नहीं पा रहे हैं। यदि हम रुकेंगे तो ही इसे समझ पाएंगे। थोड़ी देर रुकना ही पड़ेगा, अपनों के साथ रुकना ही पड़ेगा, तभी हम समझ पाएंगे। यह समझो और तय करो कि हमें कहीं न कहीं रुकना तो है। इस संसार में आपके पास है, इसीलिए सब आपके चारों ओर मंडरा रहे हैं। समय बदल गया है लेकिन पैसे की स्थिति वही है। उन्होंने कहा आज की मानसिकता इतनी कमजोर हो गई है कि समाज में कई चीजें पनप रही है, जिससे जैनत्व कमजोर हो रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में आदर्शों का पतन हो रहा है। लोग खुद को भूलने लगे हैं। अपनी परंपरा व संस्कृति को भूल रहे हैं। आजकल चारों ओर अराजकता का भाव आ गया है। आप अपने गांव से कनेक्टिविटी रखो, उसके महत्व को समझो। कभी भी शहरों में तकलीफ आ गई तो गांव ही श्रेष्ठ ठिकाना होगा। उन्होंने कहा यह दौड़ आज के युग की पहचान बन गई है। यह गति पर्याय बन गई है। भगवान कहते हैं स्पीड में गए, तो कब तकलीफ आ सकती है, कह नहीं सकते। इसलिए थोड़ा रुको। प्रत्याख्यान, व्रत को भीतर से अपनाओ। भीतर में आत्म साधना- आराधना करके मंगल भावों से आगे बढ़ेंगे तभी आत्मा को संसार मे मुक्ति मिल सकती है। साध्वी अणिमाश्री ने अंतकृतदशा सूत्र का वांचन करतें हुए कहा कि जीवन मे कितना भी दुःख आ जाए पर व्यक्ति को घबरा नहीं चाहिए और समभाव रहने पर ही वो सुख प्राप्त कर सकता है। इस दौरान मुनि हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि आगामी 10 सितम्बर को एएमकेएम के प्रांगण में सामूहिक क्षमापना का आयोजन होगा जिसमें चारों संप्रदायों के आचार्य भगवंत एवं सभी साधु साध्वी जी शिरकत करेंगे। 11 सितम्बर से 29 दिवसीय पुच्छीसुंनम सपुंट जाप शुरू होगा। महासंघ के महामंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया कि सुश्राविका मंजू चौरड़िया ने अठाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। वरिष्ठ सुश्राविका विमलाबाई सिंघवी ने 33 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पर्युषण की अठाई की ओर अग्रसर है। राकेश विनायकिया ने धर्मसभा का संचालन किया।

प्रवक्ता सुनिल चपलोत

मां-बाप की सेवा, परमात्मा की आराधना के समान है: महासती प्रितीसुधा

पंचायती नोहरा मुखर्जी चौक पर्युषण महापर्व का चतुर्थ दिवस

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मां-बाप की सेवा,परमात्मा की आराधना के समान है। बुधवार को पंचायती नोहरा मुखर्जी चौक जैन स्थानक में पर्युषण महापर्व के चतुर्थ दिवस प्रंखर वक्ता साध्वी प्रितीसुधा ने श्रध्दालुओ को धर्मसभा में धर्मोपदेश देतें हुए कहा कि मां शब्द में देवी -देवताओं की समस्त शक्तियां निहित हैं। मां कभी हार नहीं मानती और अपने बच्चों के सुख के लिए हमेशा तत्पर रहती है। उसकी ममता में किसी भी प्रकार का छल-कपट या भेदभाव नहीं होता और न ही कोई स्वार्थ होता है। इस दुनिया में हम चाहे कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाएं, पर माता-पिता के सामने हम सदैव बच्चे ही रहेंगे। मनुष्य चाहे कितना भी धन अर्जित कर ले, लेकिन मां-बाप के ऋण से मुक्त नहीं हो सकता। उनके प्रति हमारी जिम्मेदारी अनमोल है और कोई इसे माप नहीं सकता। जिस मां-बाप ने हमें जीवन दिया, हमारे लिए त्याग किया, हमारी रक्षा के लिए जप-तप किए, वही आज हमसे दुखी हैं। जो व्यक्ति अपने माता-पिता को सुख नहीं दे सकता, वह कितना भी धार्मिक कार्य कर ले, परमात्मा भी उसे माफ नहीं करते और न ही अपनी शरण में लेते हैं। साध्वी संयम सुधा ने अंतकृतदशा सूत्र का वांचन किया और बताया कि, माता-पिता का ऋण इस संसार में कोई नहीं उतार सकता। पर्युषण के चतुर्थ दिवस पर अनेकों भाई बहनो ने छोटी बड़ी तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किए तपस्वीयो का श्रीसंघ अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री रोशन लाल जैन ,राजेंद्र खोखावत, रमेश खोखावत, प्रमोद चपलोत,लक्ष्मीलाल विरवाल ओर महिला मंडल की मंजु सिरोया, संतोष जैन, और पुष्पा खोखावत,नैना जैन,सुमित्रा सिंघवी आदि सभी ने तपस्याथीयो का बहुमान किया। इसदौरान साध्वीवृंद के सानिध्य मे श्राविका मंडल द्वारा प्रभु महावीर स्वामी का जन्मकल्याण महोत्सव बनाया अनेक बहनों की उपस्थिति रहीं।

-प्रवक्ता निलिष्का जैन

बाबू लाल जैन ईटून्दा भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (प.) के जयपुर जिला महामंत्री नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। देश की शीर्ष व्यापारिक संस्था भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल (प.) को और अधिक व्यापक और सुदृढ़ बनाने के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सोमानी ने केन्द्रीय बोर्ड और वरिष्ठ पदाधिकारियों से परामर्श के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. अरुण अग्रवाल की अनुशंसा पर बाबू लाल जैन ईटून्दा को संस्था का जयपुर जिला महामंत्री नियुक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सोमानी ने जल्द से कार्यभार संभाल कर जिला अध्यक्ष राजीव आहूजा के साथ मिल जिला कार्यकारणी का गठन करने के निर्देश दिए और जिले के व्यापारिक हितो पर कार्य करने को प्रेरित किया।

वेद ज्ञान

ईश्वर की शरण में ही परम आनंद की प्राप्ति

अक्सर अध्यात्म के ज्ञाता कहते हैं कि ईश्वर की शरण में जाने से मनुष्य को परम आनंद की प्राप्ति होती है। क्या है परम आनंद और कहां है ईश्वर जहां जाकर वह उनके चरणों में शरण ले। परम आनंद के बारे में भगवान ने गीता में बताया है कि वह स्थिति जिसमें मनुष्य सुख, दुख, हानि, लाभ, क्रोध, मोह और अहंकार आदि से मुक्त होकर स्वयं में स्थापित हो चुका हो। मन, इंद्रियों द्वारा मनुष्य को संसार में लिप्त करके उसकी प्रवृत्ति को बाह्य बनाता है और वह संसार में इंद्रियों के द्वारा सुख की खोज में भटकता रहकर जीवन-मरण का चक्कर लगाता रहता है। इसीलिए परमानंद की प्राप्ति के लिए सबसे पहले मन की प्रवृत्ति को अपने अंदर की ओर मोड़ना चाहिए। अज्ञानवश लोग मन को बलपूर्वक संसार से विरक्त करने की कोशिश करते हैं जो पूर्णतया निरर्थक व गलत मार्ग है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी स्थिति में जब भी मन का नियंत्रण ढीला पड़ता है, वह दोबारा इंद्रिय भोग द्वारा संसार के भोगों में लिप्त हो जाता है। इसीलिए आनंद के लिए पहले कदम के रूप में सर्वप्रथम मनुष्य को संसार का लेन-देन समाप्त करना चाहिए। लेन-देन केवल धन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भावनात्मक पहलू धन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण व आवश्यक है। नकारात्मक भावों के कारण वह कामना रूपी प्रेम, अहंकार, जलन, ईर्ष्या और बदले की भावना व क्रोध से पीड़ित रहता है। नकारात्मक भावों के कारण ही उसे शारीरिक रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदयरोग होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। भगवान का गीता में बताया गया यह कथन कि विषयों का चिंतन करने वाले पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है। आसक्ति से उन विषयों की कामना उत्पन्न होती है और कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक समाप्त होकर बुद्धि भी नष्ट हो जाती है। इस प्रकार मनुष्य का पतन हो जाता है। सनातन धर्म में मनुष्य के जीवन चक्र को नियंत्रित करने के लिए आश्रम व्यवस्था है। वानप्रस्थ आश्रम में मनुष्य को धीरे-धीरे अपने आपको गृहस्थ आश्रम व दुनियादारी के लेन-देन से मुक्त कर लेना चाहिए और जीवन के शेष भाग को सम स्थिति में रहकर परमानंद में स्थित हो जाना चाहिए।

संपादकीय

नीतिगत फैसला बेहद खास...

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 12 स्मार्ट औद्योगिक शहर बनाने का भारत का हालिया नीतिगत फैसला बहुत खास है। यह भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को बदलने और खूब रोजगार पैदा करने की तैयारी है। यह नीति भारत की निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) में देश की हिस्सेदारी बढ़ाने में भी मदद करेगी। भारत

के विनिर्माण क्षेत्र ने 2023-24 में सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में 14 प्रतिशत का नाममात्र योगदान दिया, फिर भी इसमें 9.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। निर्माण क्षेत्र भी समान दर से बढ़ा, जिसकी जीवीए में नौ प्रतिशत हिस्सेदारी है। साल 2024-25 के केंद्रीय बजट में बुनियादी ढांचे के लिए 11.11 ट्रिलियन रुपये (जीडीपी का 3.4 प्रतिशत) के बड़े आवंटन के साथ-साथ स्मार्ट सिटी मिशन, औद्योगिक गलियारा विकास, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली और एक जिला एक उत्पाद योजना जैसी सरकारी पहल शामिल है। अब 12 औद्योगिक शहर बनाने की घोषणा सरकार के इसी इरादे की एक कड़ी है। भारत की विदेश व्यापार नीति 2023 के तहत साल 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर के व्यापारिक निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। इन 12 शहर परियोजनाओं में से चार निमार्णाधीन हैं, जबकि चार आवंटन के लिए तैयार हैं। ये 12 शहर 10 राज्यों व छह प्रमुख औद्योगिक गलियारों का विस्तार करेंगे। यह शहर निर्माण कार्यक्रम पीएम गति शक्ति के लक्ष्यों के अनुरूप ही है। इस कार्यक्रम में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे में पांच, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे में दो और विजाग-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-नागपुर, चेन्नई-बेंगलुरु औद्यागिक गलियारे में एक-एक शहर परियोजना शामिल है। 28,600 करोड़ रुपये के प्रस्तावित बजट से 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और 30 लाख लोगों को परोक्ष रोजगार मिल सकता है। इसके अलावा नए शहर बनेंगे, तो आसपास के इलाकों को भी आर्थिक फायदा होगा। देश के विकास के लिए राज्यों की निर्यात-क्षमता को बढ़ाना बहुत जरूरी है। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भारत उत्पाद निर्माण और निर्यात के लिए बड़े प्रयास कर सकता है। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स, डिजाइन विनिर्माण, खाद्य और पेय पदार्थ, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और परिधान, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकों, मशीनरी व उपकरण और निर्माण सामग्री जैसे क्षेत्रों में राज्यों की निर्यात-क्षमता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन नए शहरों में बड़े निवेशकों के साथ ही छोटे निवेशकों को भी पूरी मदद करने की योजना है। शहर निर्माण की यह पहल 1.5 ट्रिलियन रुपये की समग्र निवेश क्षमता पैदा करने की संभावना रखती है। ध्यान दें कि कुछ प्रस्तावित शहर उन राज्यों में स्थित हैं, जो पहले से ही निर्यात के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसे महाराष्ट्र और तेलंगाना।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

घातक राजनीति

सारे राजनीतिक भेद-मतभेद जैसे अचानक ही खत्म हो गए। मंगलवार को जब पश्चिम बंगाल विधानसभा में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपराजिता विधेयक पेश किया गया, तो पक्ष-विपक्ष सब एक साथ खड़े दिखाई दिए। विधेयक को सर्वसम्मति से पास किया गया। ममता बनर्जी ने विपक्ष के विधायकों से कहा कि वे राज्यपाल से इस विधेयक को स्वीकृति देने का अनुरोध करें, ताकि इसे आगे राष्ट्रपति के पास भेजा जा सके। विपक्ष के नेता भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने तो राज्यपाल से इसकी अपील भी कर दी। पिछले कुछ दिनों में कोलकाता की सड़कों ने एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद जिस तरह की राजनीति और गुंडागर्दी देखी है, उसके बाद इस तरह की आम सहमति एक उम्मीद बंधा सकती थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। विधेयक भले ही सर्वसम्मति से पास हुआ हो, पर जिस तरह की राजनीति वहां दिखी, वह किसी भी तरह से आश्वस्त करने वाली नहीं थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो दूसरे राज्यों में हुए बलात्कारों की पूरी फेहरिस्त ही पेश कर दी। वह इतने पर ही नहीं रुकीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस तर्क के साथ इस्तीफे की मांग कर डाली कि वे महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम रहे हैं। याद रहे, भाजपा नेता कोलकाता अस्पताल बलात्कार और हत्या के मामले में कई दिनों से ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। सो, मुख्यमंत्री ने सोचा कि इसका राजनीतिक जवाब थोक भाव में इस्तीफे की मांग कर ही दिया जा सकता है। अब आते हैं अपराजिता विधेयक पर। निश्चित तौर पर इसमें कुछ बातें बहुत अच्छी हैं। यह विधेयक इसे स्पष्ट तौर पर कहता है कि अगर किसी का बलात्कार करके हत्या कर दी जाती है या फिर बलात्कारी उसे पूरी तरह अक्षम बना देता है, तो इसके दोषी को मृत्युदंड ही दिया जाना चाहिए। ठीक यहीं पर हमें थोड़ा रुककर 2012 के निर्भया कांड को याद कर लेना चाहिए, जिसके बाद बलात्कार से संबंधित कानूनों में बदलाव के लिए जस्टिस जेएस वर्मा आयोग की स्थापना हुई थी। इस आयोग ने बहुत बड़े विमर्श के बाद बहुत ही कम समय में अपनी रिपोर्ट दी थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। मगर क्या हुआ? अगर हम निर्भया कांड के दोषियों को छोड़ दें, तो बाद में किसी भी बलात्कारी को कभी मृत्युदंड नहीं दिया गया। इस विधेयक में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर किसी को बलात्कार के लिए आजीवन कारावास होता है, तो उसे इस सजा के दौरान किसी भी तरह की पेरोल या फरलो नहीं दी जाए। हाल-फिलहाल के बहुत सारे संदर्भ बताते हैं कि कानून में इस तरह के प्रावधान कितने जरूरी हैं। कानूनों में खामियां हो सकती हैं, लेकिन उससे ज्यादा खतरनाक है बलात्कार पर होने वाली राजनीति। राजनीति में बलात्कार को अक्सर राजनीतिक औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। जो कोलकाता के कांड पर हल्ला मचा रहे हैं, वे बदलापुर की घटनाओं पर चुप्पी लगा जाते हैं और जो बदलापुर पर चिल्ला रहे हैं, वे कोलकाता की वारदात पर कुछ नहीं बोलते। बलात्कार की हर वारदात के बाद जनता का गुस्सा राजनीति के इन आरोपों-प्रत्यारोपों के आगे दम तोड़ देता है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

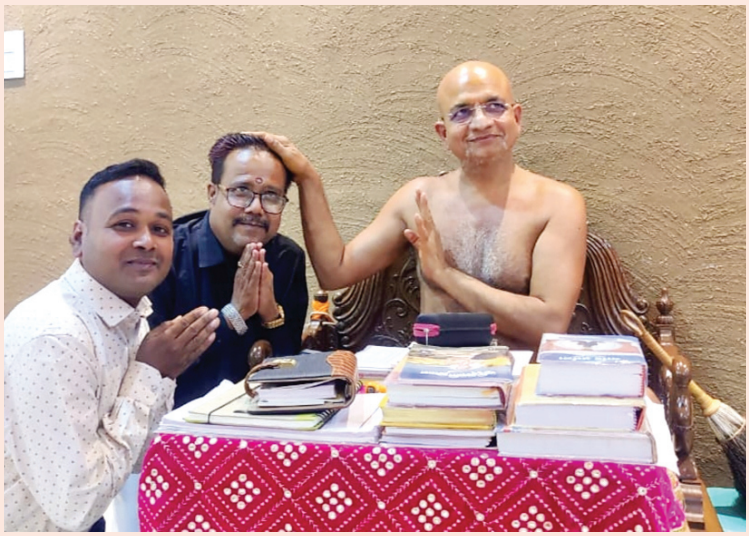

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

तुम थे, मैं था - वक्त नहीं।
मैं था, वक्त था - तुम नहीं।
मैं हूं, तुम हो - वक्त नहीं।
वक्त रहेगा, मैं नहीं - तुम नहीं..!

सच है मित्रो --परिवार और दोस्त साथ है तो हर ऋतु बसंत है। ना हो तो बस अन्त है। एक पेन गलती कर सकता है, लेकिन एक पेंसिल गलती नहीं कर सकती है। क्यों--? क्योंकि उसके साथ दोस्त है -- रबड़।

जब तक एक सच्चा दोस्त आपके साथ है, वह आपकी जिंदगी की गलतियों को मिटा कर, आपको अच्छा इंसान बना देगा। इसलिए सच्चे और अच्छे दोस्त साथ रखिए। उम्र से कोई लेना देना नहीं है। जहाँ मन और विचार मिलते हैं, वहीं सच्चे रिश्ते बन जाते हैं। याद रखना! समझ जान से ज्यादा गहरी होती है। बहुत से लोग, आपको जानते हैं। परन्तु कुछ हैं -- जो आपको समझते हैं। जो हमें जानते और समझते हैं, वह हम पर जान भी कुर्बान करते हैं।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

दिगंबर जैन समाज द्वारा दशलक्षण महापर्व की तैयारी शुरू

जिनेन्द्र प्रतिमाओं का परिमार्जन किया गया

सनावद. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज द्वारा दशलक्षण महापर्व 8 से 17 सितंबर तक मनाया जायेगा। महापर्व की आरंभिक तैयारियों के अंतर्गत जैन मंदिरों में जिनेंद्र प्रतिमाओं के परिमार्जन तथा मंदिरों की साफ-सफाई श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है। बुधवार को श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में तीन वेदियों पर विराजित वीतराग जिनेंद्रदेव की प्रतिमाओं का परिमार्जन कर बड़ी प्रच्छाल तथा जलाभिषेक किया गया। जिसमें संतोष बाकलीवाल, सत्येंद्र जैन, कमलेश भूच, जंगलेश जैन, सम्मी जैन, आशीष पाटनी, पवन जैन, शैलेंद्र जैन, राजेश चौधरी, नरेश पाटनी, अचिन्त्य जैन, धीरेंन्द्र बाकलीवाल ने भाग लेकर पुण्यार्जन किया। परिमार्जन में शुद्ध वस्तुओं का उपयोग किया जाता है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती एवं प्रियम जैन ने बताया कि भगवान जिनेंद्र देव की प्रतिमायें वर्ष भर एक ही स्थान पर विराजमान रहती हैं लेकिन दशलक्षण पर्व प्रारंभ होने से पूर्व भक्तगण शुद्ध धोती दुपट्टे पहनकर श्रद्धा भक्ति के साथ प्रत्येक जिनबिम्बों को शुद्ध थालियों में रखकर उनका परिमार्जन कर बड़ी प्रच्छाल एवं अभिषेक कर अर्घ्य चढ़ाकर पुनः यथा स्थान वेदी पर विराजमान करते हैं। वर्ष में प्रायः एक बार जिनबिम्बों का सामूहिक परिमार्जन दशलक्षण पर्व के प्रारंभ होने से पहले किया जाता है। यह एक परंपरा है। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में भी जिनबिम्बों का परिमार्जन किया गया। गुरुवार को श्री आदिनाथ जिनालय में भी जिनबिम्बों का परिमार्जन होगा।

शांतिनाथ भगवान की भक्ति से जीवन में शांति प्राप्त होती है

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान में अनेकों भक्तों ने अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। मालवीय नगर सेक्टर 7,चौमूंबाग जैन समाज जयपुर,निवाई,चाकसू, रूपनगढ़ के भक्तों ने मिलकर पूज्य आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया।

आज के चातुर्मास संयोजक परिवार ऋषभ कुमार सुरुचिका जैन गुड़गांव एवं भंवरलाल पवन कुमार बड़जात्या सपरिवार दूनी ने प्राप्त किया। आज बुधवार के दिन विशेष शांतिधारा करने का सौभाग्य प्रकाश शांतिलाल जैन ने प्राप्त किया। इसी के साथ भक्तों को पूज्य गुरु मां के प्रवचनों का लाभ भी प्राप्त हुआ। अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की जो भक्त श्रद्धा भक्ति एवं समर्पण के साथ भक्ति करता है उसके सारे कष्ट संकट बाधाएं स्वयं ही दूर हो जाती है। भक्ति का साक्षात फल अंजना सुलोचना चंदनबाला जैसे सतियों ने प्राप्त किया। क्यों ना हम भी भक्ति भाव से भक्ति कर अचिंत्य फल को प्राप्त करें। अतिशय क्षेत्र विज्ञातीर्थ पर यात्रियों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था कमेटी के द्वारा की गई है। भक्तगण व यात्रीगण इस क्षेत्र की वंदना कर अतिशय पुण्य कमाए।

सेवानिवृत्ति पर पुस्तकालयाध्यक्ष बाबू सिंह चौहान को दी गयी भावभीनी विदाई

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में स्टाफ क्लब के तत्वावधान में पुस्तकालयाध्यक्ष बाबू सिंह चौहान का विदाई समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.आर.सी.लोढ़ा द्वारा बाबू सिंह को माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर सम्मानित करते हुए बताया की सेवानिवृत बाबू सिंह सरल, अनुशासनप्रिय मृदुभाषी व कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी है उनके द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य, स्टॉफ क्लब प्रभारी निधि पंवार व सहायक प्रभारी गिरीश कुमार बैरवा द्वारा बाबू सिंह जी को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य, ऑफिस स्टाफ व समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सवंत्सरी व अनन्त चतुर्दशी पर मांस विक्रय केंद्र व बूचड़खाने बंद करने की मांग का दिया ज्ञापन

भाजपा नेता रविन्द्र जैन जुरहरा ने मंत्री झाबरमल खर्रा से मुलाकात कर रखी मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के अनुसार भाद्र मास में पर्युषण पर्व को अति पवित्र माना जाता है इस दौरान जैन धर्मावलंबियों द्वारा विशेष पूजा आराधना, व्रत,उपवास, संयम साधना व धार्मिक आयोजन किये जाते हैं।तब मूक पशुओं का वध कर उनके मांस का विक्रय करने से जैन समाज की निर्मल भावनाएं आहत रहती हैं। जैन समाज के वयोवृद्ध व प्रदेश सहसंयोजक वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा के रविन्द्र जैन जुरहरा ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को ज्ञापन देकर संवत्सरी 8 सितम्बर व अनन्त चतुर्दशी 17 सितम्बर दोनो दिवसों को सभी मांस विक्रय केंद्र,पशु वध प्रतिष्ठान,बूचड़खाने, अंडा मछली विक्रय केंद्र को बंद रखने की मांग की है।उन्होंने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबरमल खर्रा को मुख्यमंत्री ने नाम ज्ञापन सौपां जिस पर उन्होंने अतिशीघ्र आदेश प्रसारित करने का आश्वासन दिया। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि जैन पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष रमेश तिजारिया,पूर्व निःशक्तजन आयुक्त खिल्लीमल जैन अलवर ने भी इसी आशय का पत्र मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को लिख बूचड़खाने बंद रखने की मांग की है।

शिक्षक दिवस विशेष

शिक्षक की विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका,ईमानदारी से विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने की जरूरत

व्यक्तित्व मनोविज्ञान में प्रमुख दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि व्यक्तित्व जल्दी उभरता है और जीवन भर विकसित होता रहता है। मगर शिक्षक विद्यार्थियों में नींव भरने का कार्य करता हैं। आज हमें शिक्षा के मंदिरों में शिक्षा देने में ईमानदारी की जरूरत है। विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के लिए शिक्षकों को ईमानदारी से कार्यपूर्ण करने की जरूरत है। विद्यार्थियों द्वारा कई नेगेटिव कदम उठाए जा रहे है जो की चिंताजनक है शिक्षकों को अपनी ड्यूटी समझनी होगी उन्हे विद्यार्थियों को हमेशा सकारात्मक रहने,जोश और उत्साह के साथ कार्य करने भावनाओं पर नियंत्रण रखने, स्वयं और दूसरों पर करुणा करने प्रसंशा करने, प्रभावशाली संवाद करने खतरों का सामना साहस से करने जीवन में धीरज रखें रखने, दूसरों का सम्मान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। फील्ड खेलों से जुड़ने की जरूरत है। आजकल युवा मोबाइल खेल में ज्यादा रुचि देने लग गया है जिससे व भटकराव की तरफ बढ़ रहा है आज के युवा को ग्राउंड पर समय बिताने की जरूरत है। जिससे उसके जीवन में मेहनत करने का जज्बा बना रहें। इसकी के साथ विद्यार्थी साहस रखें आगे बढ़े।

डॉ.प्रीति शर्मा (पीएचडी,पोस्ट डॉक्टरेट बीएचयू बनारस)
स्पोर्ट्स सेक्रेटरी स्पोर्ट्स बोर्ड, राजस्थान विश्वविद्यालय,जयपुर

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया

श्रीमती कमलावती साह

(धर्मपत्नी वैद्यराज स्व. सुशील कुमार जी साह)

का निधन दिनांक 03/09/24 को हो गया है।

तीये की बैठक दिनांक पांच सितंबर प्रातः 9:00 बजे भट्टारक जी की नसियां (जैन भवन) में रखी गई है।

..... **शोकाकुल:** .....

राजेंद्र के शेखर (देवर) **शैलबाला** (देवरानी), **डॉ. कला - सुरेंद्र जी कासलीवाल, डॉ. रेखा - अशोक जी जैन** (पुत्री- दामाद) **शरद, शैलेन्द्र (चीकू), दीपेश, धूपेश, राहुल** (भतीजे), **जयंती, वीरबाला** (ननद), **सुरभि- अभय, दीपाली- गौरव, शेफाली - अनुराग, अनुपम, अनवय** (दोहिती - जवाई,दोहिता)

एवं समस्त साह परिवार

पीहर पक्ष:- डॉ. पी. सी. काला, राजकुमार, विनोद, एवं समस्त काला परिवार।

समाधि दिवस (भाद्र शुक्ला दोज) पर विशेष

दक्षिण भारत में जन्मे सन्त शान्ति सागर ने उत्तर भारत में दिगम्बरत्व की जगायी अलख

जैन धर्म के प्रथम दिगम्बर आचार्य युग प्रवर्तक श्री शांतिसागर जी महामुनिराज (1872-1955)

दिगंबर जैन धर्म के 20वीं सदी में पहले आचार्य श्री १०८ शान्ति सागर जी महाराज ने उत्तर भारत में पारंपरिक दिगम्बर प्रथाओं के शिक्षण और अभ्यास को पुनर्जीवित किया । देवप्पा (देवकीर्ति) स्वामी जी द्वारा उन्हें संघ में क्षुल्लक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया था। उन्होंने तीर्थंकर नेमिनाथ की प्रतिमा के समक्ष अपनी ऐलक दीक्षा (धार्मिक प्रतिज्ञा) ली। लगभग 1920 में, शांतिसागर जी जैन धर्म के दिगंबर संप्रदाय के पूर्ण दिगम्बर मुनि बन गए। 1922 में, कर्नाटक के बेलगाम जिले के यरनाल गाँव में, उन्हें ''शांति सागर जी'' नाम दिया गया।

नाना के घर में हुआ जन्म

आचार्य शांति सागर का जन्म नाना के घर आषाढ़ कृष्णा 6, विक्रम संवत् 1929 सन् 1872 बुधवार 23 जुलाई की रात्रि में शुभ लक्षणों से युक्त बालक सातगौड़ा का दक्षिण भारत के यालागुडा गाँव (भोज), कर्नाटक में हुआ था। उनके पिता का नाम भीमगौडा पाटिल और माता का नाम सत्यवती था। नौ वर्ष की आयु में इच्छा के विरुद्ध इनकी शादी कर दी गयी थी। जिनसे शादी करी गयी थी, उनकी ६ माह पश्चात ही मृत्यु हो गयी थी।

चारित्र चक्रवर्ती का अलंकरण

दिगम्बर साधु सन्त परम्परा में वर्तमान युग में अनेक तपस्वी, ज्ञानी ध्यानी सन्त हुए। उनमें आचार्य शान्तिसागरजी महाराज एक ऐसे प्रमुख साधु श्रेष्ठ तपस्वी रत्न हुए हैं, जिनकी अगाध विद्वता, कठोर तपश्चर्या, प्रगाढ़ धर्म श्रद्धा, आदर्श चरित्र और अनुपम त्याग ने धर्म की यथार्थ ज्योति प्रज्वलित की । आपके इन सब गुणों ने ही आपको चारित्र चक्रवर्ती का सम्मान दिया। आपने लुप्तप्राय,

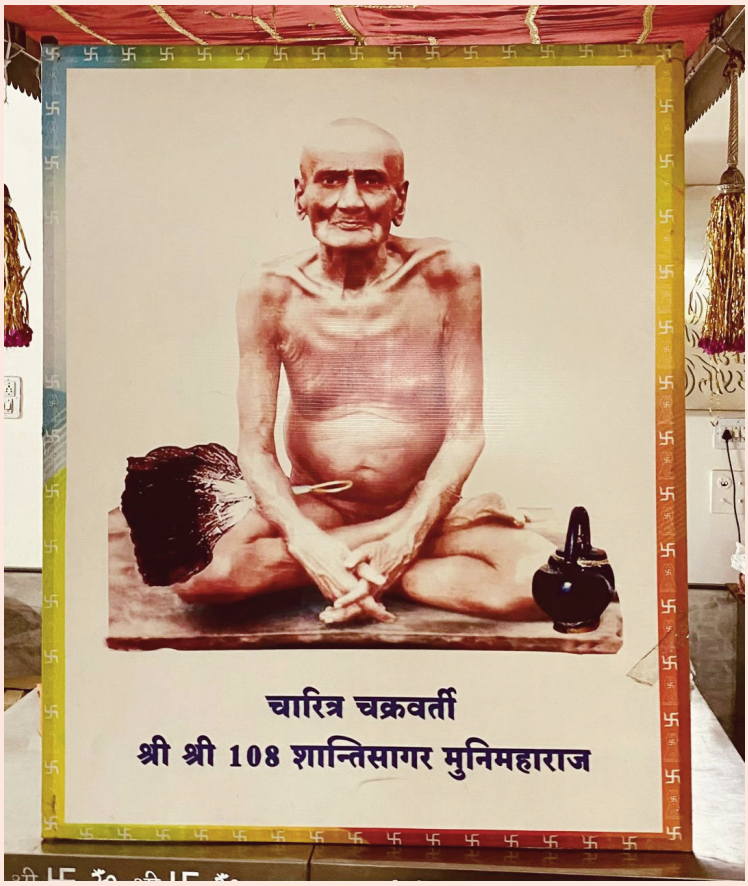

शिथिलाचारग्रस्त मुनि परम्परा का पुनरुद्धार कर उसे जीवन्त किया, यह निग्रन्थ श्रमण परम्परा आपकी ही कृपा से अनवरत रूप से आज तक प्रवाहमान है।

सल्लेखना में ही बनाया उत्तराधिकारी

जीवन पर्यन्त मुनिचर्या का निर्दोष पालन करते हुए 84 वर्ष की आयु में दृष्टि मंद होने के कारण सल्लेखना की भावना से आचार्य श्री सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरी जी पहुंचे। वहां पर उन्होंने 13 जून को विशाल धर्मसभा के मध्य आपने सल्लेखना धारण करने के विचारों को अभिव्यक्त किया। 15 अगस्त को महाराज ने आठ दिन की नियम-सल्लेखना का व्रत लिया जिसमें केवल पानी लेने की छूट रखी। 17 अगस्त को उन्होंने यम सल्लेखना या समाधिमरण की घोषणा की तथा 24 अगस्त को अपना आचार्य पद अपने प्रमुख शिष्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज को प्रदान कर घोषणा पत्र लिखवाकर जयपुर (जहाँ मुनिराज विराजमान थे) पहुँचाया। आचार्य श्री ने ३६ दिन की सल्लेखना में केवल १२ दिन जल ग्रहण किया।

युग प्रवर्तक की समाधि

१८ सितम्बर १९५५ को प्रातः ६.५० पर भाद्र शुक्ला दोज रविवार को ॐ सिद्धोऽहं का ध्यान करते हुए युगप्रवर्तक आचार्य श्री शान्तिसागर जी ने नश्वर देह का त्याग कर दिया। संयम-पथ पर कदम रखते ही आपके जीवन में अनके उपसर्ग आये जिन्हें समता पूर्वक सहन करते हुए आपने शान्तिसागर नाम को सार्थक किया।

आचार्य पदारोहण शताब्दी महोत्सव समडोली में

निर्यापक श्रमण बालयति मुनिश्री 108 विद्यासागर जी महाराज (2019 में जयपुर चातुर्मास) समडोली, तालुका मिरज जिला-सांगली ,महाराष्ट्र में विराजित है । समडोली में समाधिस्थ आचार्य शान्ति सागर जी का आचार्य पदारोहण हुआ था । समडोली ग्राम में ही सर्वप्रथम आचार्यश्री का चतुःसंघ स्थापन हुआ। अब तक केवल अकेले महाराज ही निर्ग्रंथ साधु स्वरूप में विहार करते थे। अब संघ सहित विहार होने लगा। संघ ने उनको ह्यआचार्यह्व घोषित किया। समडोली में आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष के वृहत कार्यक्रम मुनि श्री विद्या सागर जी के पावन सानिध्य में चल रहे है ।

जीवन पर्यन्त मुनिचर्या का निर्दोष पालन करते हुए 84 वर्ष की आयु में दृष्टि मंद होने के कारण सल्लेखना की भावना से आचार्य श्री सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरी जी पहुंचे। वहां पर उन्होंने 13 जून को विशाल धर्मसभा के मध्य आपने सल्लेखना धारण करने के विचारों को अभिव्यक्त किया। 15 अगस्त को महाराज ने आठ दिन की नियम-सल्लेखना का व्रत लिया जिसमें केवल पानी लेने की छूट रखी।

पदम जैन बिलाला
जनकपूरी - जयपुर
(विशेष-समाज सेवा के लिए लेखक आचार्य शान्तिसागर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित है)

शिक्षक राष्ट्र निर्माता एवं समाज का आदर्श है

पदमचंद गांधी @ 9414967294

शिक्षक देश की रीढ होता है, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति का नायक' वह राष्ट्र निर्माता एवं समाज का आदर्श होता है ' शिक्षक देश की नींव है , धुरी है ' उसे अपने कर्तव्य पथ पर चलकर राष्ट्र और समाज निर्माण में तत्पर रहना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा में नवीन चेतन, नवीन शक्ति, पूर्ण आस्था एवं समर्पण का भाव एक आदर्श शिक्षक ही भरता है' ऐसे भावों से औत प्रोत एक शिक्षक, बहुत प्रतिभा के धनी, भारत रत्न एवं विश्व शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारत के राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 में तमिलनाडु के चित्तूर जिले के तिरुतरी गांव के ब्राह्मण परिवार में माता सितम्माऔर पिता सर्वपल्ली वीरस्वामी के छत्रछाया में हुआ ' जिन्होंने आगे चलकर 40 वर्ष तक दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के पद पर और आंध्र प्रदेश एवं काशी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में सेवाएं प्रदान की। भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान दार्शनिक एवं आस्थावान हिंदू विचारक आदि गुण के कारण 1954 में भारत रत्न से अलंकृत किया गया ' उन्होंने कहा मेरा जन्मदिन मनाने के बजाय अगर 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो यह मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात होगी ' वर्ष 1962 में शिक्षक दिवस का प्रारंभ हुआ , तब उन्होंने संदेश दिया की शिक्षा के द्वारा मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है ' इसलिए विश्व को एक इकाई मानकर शिक्षा का प्रबंध करना चाहिए।शिक्षक वह होता है जो व्यक्तित्व का निर्माण करें, जो मानवीय गुण से औत प्रोत करें ' जिस समाज में शिक्षकों एवं आचार्य का सम्मान होता है वह समाज महान एवं धन्य होता है ' शिक्षक का लक्ष्य शिक्षा के माध्यम से एक स्वस्थ , सुसंस्कृत तथा उत्तरदाई नागरिक का निर्माण करना होता है ' लेकिन आज ऐसी पीढ़ी हमारे सामने खड़ी है जिसके हृदय में न कर्तव्य बोध है , न राष्ट्रीय भावना और न ही मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था ' आज शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना, आर्थिक संपन्नता प्राप्त करना मात्र रह गया है ' परीक्षा का परिणाम ही अंतिम लक्ष्य नहीं होता , इस स्थिति में शिक्षक का दायित्व और भी बढ़ जाता है ' शिक्षक का लक्ष्य ही नहीं नैतिक दायित्व है कि वह अपने कर्म द्वारा शिवम , क्षमामय, कल्याणमय भावना को जागृत करें।शिक्षा मूलतः दर्शन के रूप में चिंतन, कर्म के रूप में अभ्यास , और उपलब्धि के रूप में संस्कार मूलक होती है ' आज शिक्षा राष्ट्रीय दायित्व बन गया है , क्योंकि शिक्षा देश के शरीर की धमनियों में बहने वाला रक्त है, जिसकी स्वस्थता , स्वच्छता , शुद्धता और पवित्रता पर जितना ध्यान दिया जाएगा , राष्ट्र उतना ही बलिष्ट शक्तिशाली एवं विकासोन्मुख रहेगा ' बच्चों के सर्वतामुखी विकास हेतु शिक्षा तंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक ही होता है ' शिक्षा जगत के मनीषी गिजुभाई ने कहा जब-जब शिक्षक अपने काम के प्रति वफादार रहे तब तक दुनिया आगे बढी है ' वर्तमान की स्थिति में शिक्षा के मूल्यविहीनता के लिए शिक्षकों के समग्र विकास और अस्तित्व को चुनौती है। शिक्षक दिवस शिक्षकों का संकल्प दिवस है ' यह संकल्प है कर्म का, यह संकल्प है श्रम निष्ठा का और यह संकल्प है आत्म अवलोकन का परिस्थितियों चाहे कितनी भी क्यों न बदल जाए, इस देश के भावि कर्णधारों को नवदिशा , सदमार्ग , ज्ञान व कर्तव्य का बोध शिक्षक ही दे सकता है ' शिक्षक तो वह कुंभकार है जो मिट्टी से मटके का निर्माण करता है' गिरते हुए सामाजिक मूल्यों से उब'रने का श्रेय शिक्षक के हाथ में ही होता है ' धन्य है वे शिक्षक , जिन्हें ऐसा शुभ अवसर प्राप्त हुआ है, क्योंकि वे इंजीनियर , डॉक्टर , प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनेता के निर्माण के साथ-साथ राष्ट्रीय भावना को जागृत करते हैं , संस्कृति को बचाने की प्रेरणा देते हैं ,राष्ट्र की अखंडता एवं एकता की नींव तैयार करते हैं ' इसलिए वे राष्ट्र निर्माता एवं समाज के आदर्श होते हैं। अतः स्पष्ट है जहां पर शिक्षक का सम्मान हो होगा, वह समाज महान होगा ' तब वह शिक्षक कर्मचारी की तरह हीन भावना से, भय से, ग्रसित नहीं होगा ' वह आत्मविश्वास से भरकर नवयुग की रचना करने वाली पीढ़ी को तैयार करेगा ' फिर वह शिक्षक दुराचारी भी नहीं होगा, व्यसन वाला भी नहीं होगा और हिंसक भी नहीं होगा ' वह भेदभाव करने वाला, मुंह देखकर व्यवहार करने वाला नहीं होगा ' वह तो समदर्शी संत ही होगा 'अतः ऐसे शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर नमन एवं वंदन करते हैं।

सांगाकाबास में हुआ विधान

संभव नाथ के दरबार में भक्ति में झूम उठे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर ज़िले की डूंगरी कला पंचायत के गांव सांगाका बास के अति प्राचीन जैन मन्दिर में सोमवार को दिन में अतिशय कारी संभव नाथ के दरबार में साज बाज के साथ ब्र०सूरज मल जी द्वारा लिखित शांति विधान का आयोजन हुआ। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार भगवान श्री 1008 संभव नाथ के जलाभिषेक के बाद चोबीस भगवान की प्रतिमा को पांडुकशीला पर विराजित कर सर्व शांति हेतु मंत्रोचारण के साथ शांति धारा अशोक ओम प्रकाश विनोद बिलाला परिवार द्वारा की गई ।विधान प. रज्जु शास्त्री जोबनेर ने विधि पूर्वक संपन्न कराया। संगीतकार राकेश बडजात्या एण्ड पार्टी जोबनेर की भक्ति मय प्रस्तुति में श्रोता गण भाव विभोर हो कर साजों की लय व तान पर झूम उठे। विधान में सभी ने अष्ट द्रव्य से पूजन कर धर्म लाभ लिया तथा 108 बार स्वाहा स्वाहा का उच्चारण करते हुए जाप किए। केवल बिलाला ने बताया कि आयोजन में महारानी फार्म से दुली चंद बिलाला, झोटवाड़ा से सुरेश गंगवाल घिनोई , जनकपुरी से पुष्पा बिलाला, कालाडेरा से भाग चंद पाटनी, छोटी डूँगरी से कैलाश पंकज पाटनी, तारा चंद सुरेश बडजात्या खचरियावास, नरेश गंगवाल जोबनेर सहित रेनवाल, जयपुर, राधाकिशन पूरा, बड़ी डूँगरी, करणसर, चौमूं आदि कई स्थानों के सैंकड़ों श्रावको की उपस्थिति रही । समाज की वरिष्ठ सदस्या हीरामणि बिलाला का बिमला व आशा बिलाला ने स्वागत अभिनंदन किया। विधान का मंगल कलश लेने का सौभाग्य ओम प्रकाश पिंकी बिलाला को प्राप्त हुआ। अंत में संभव नाथ भगवान की आरती के साथ विधान सानन्द संपन्न हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दीक्षार्थी ब्रह्मचारी भाइयों की भव्य गोद भराई एवं बिन्दौरी निकाली गई

कोटा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य चतुर्थ पट्टाचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में दिनांक 13 अक्टूबर 2024 रविवार को संसार शरीर और भोगों से दूर हो दीक्षा लेने वाले ब्रह्मचारी जी श्री भैरु लाल जी कासलीवाल भीलवाड़ा प्रवर समधी (श्री ललित जैन समस्त पाटनी परिवार कोटा) एवं पन्ना लाल जी जैन धमाना मौजमाबाद दीक्षार्थी की श्गौद भराई एवं बिंदोरीश का आयोजन महावीर नगर द्वितीय स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन संतशाला में किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष दर्पण जैन ने बताया कि 4 सितम्बर बुधवार को बिनोली कार्यक्रम प्रातः 8.00 बजे ललित-फूलकँवर जैन एवं समस्त पाटनी परिवार के आवास पर गोद भराई की गई, उसके बाद दोनो ब्रह्मचारी भाइयों को बग्गी में बिठाया गया। गाजे बाजे के साथ विभिन्न मार्गो से होते हुए जैन मंदिर के समीप स्थित संत भवन में लाया गया। जहां पर सकल दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष विमल जैन नांता, कार्याध्यक्ष जे .के. जैन, पारस जैन पत्रिका, ललित जैन, दर्पण जैन, राहुल पाटनी, सौरभ जैन (सिद्धार्थ), के. पाटन के पूर्व अध्यक्ष बिरधी चंद जैन, आदिनाथ दि.जैन मंदिर महावीर नगर द्वितीय कोटा के समस्त कार्यकारिणी सदस्य ,पारस जैन (पार्श्वमणि), चम्बल सिटी संगिनी एवं आदिश महिला मंडल की समस्त सदस्यों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गोद भराई की रस्म भाव पूर्ण की। विदित हो कि 35 वर्षो से जैन पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पारस जैन पार्श्वमणि को दोनो ब्र.भाईयो ने सिर पर हाथ रखकर प्रसन्नचित मुद्रा में जैन धर्म प्रभावना के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाश्वार्नाथ जी (सोनियान) के चुनाव संपन्न

कमल दीवान पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। ख्वासस जी का रास्ता हवामहल के नीचे में स्थित पंचायत श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाश्वार्नाथ जी (सोनियान) की साधारण सभा की बैठक में निर्विरोध कमल दीवान अध्यक्ष निर्वाचित हुए। संजय गोधा, मंत्री ने बताया कि मंदिर की साधारण सभा की बैठक में सर्वसम्माति से मंदिर प्रबन्ध समिति के त्रैवार्षिक चुनाव वर्ष 2024-2027 हेतु पूर्व कार्यकारिणी को यथावत रखे जाने का निर्णय लिया गया है।

इसके अनुसार अध्यरक्ष - कमल दीवान, उपाध्याक्ष- विनोद बिलाला, मंत्री - संजय गोधा, उपमंत्री- रवि कुमार पांड्या, कोषाध्यक्ष- नरेश छाबडा और कार्यकारिणी सदस्यों में महावीर प्रसाद लुहाडिया, महेश कुमार छाबडा, अनन्त कुमार कासलीवाल, अशोक जैन, लोकेश लुहाडिया, मन्नालाल बैनाडा, संतोष जैन, राहुल जैन, मनीष जैन एवं पीयूष शाह निर्वाचित हुए।

सुखी परिवार धर्म का आधार, घर में कार से ज्यादा महत्वपूर्ण संस्कार-सुलोचनाजी म.सा.

महासाध्वी कंचनकंवरजी म.सा. के सानिध्य में मनाया भगवान महावीर जन्मोत्सव, पर्युषण पर्व के चौथे दिन मेरा प्यारा परिवार विषय पर प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जन्म के साथ मृत्यु का वारंट लगा रहता है। समय के साथ घड़ी का कांटा बदलता है पर मानव अपनी प्रकृति को नहीं बदलता है। इस प्रकृति के कारण मानव नशा ओर कुव्यसन का त्याग कर नहीं कर पाता है भले उसकी जिंदगी इनसे बर्बाद हो जाती है। गुटखा,शराब, जुआ किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। नशा राजा को रंक बना देता है। नशा व व्यसन मुक्त होने पर जीवन श्रेष्ठ बन जाता है। ये विचार श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने महावीर भवन बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के चौथे दिन बुधवार को मेरा प्यारा परिवार विषय पर प्रवचन में व्यक्त किए। धर्मसभा में खुशियों के माहौल में भगवान महावीर जन्मोत्सव भी मनाया गया। प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि जो एक घर के अंदर रहते है वह परिवार होता है। बहु चाहे तो घर को स्वर्ग या नरक बना सकती है। एक बहु कार ओर एक बहू संस्कार लेकर आती है। संस्कारवान होने पर घर स्वर्ग बन जाता है ओर कार तो हो पर संस्कार नहीं हो तो घर नरक बन जाता है। बोलने व सुनने की क्षमता कम होने से परिवारों विवाद हो रहे है। उन्होंने कहा कि खुशहाल परिवार बनाना है तो सास-सुसर को बहु को बेटी मान प्रेम करना होगा तो बहु को भी सास-ससुर को माता-पिता मान सेवा करनी होगी। परिवार सुखी नहीं है तो हम कितनी भी धर्म साधना कर ले खुश नहीं रह सकते। माता-पिता का कर्तव्य है वह अपनी सभी संतानों के प्रति समभाव रखे ओर किसी तरह का अंतर नहीं करे। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने कहा कि जहां मिथ्यात्व होगा वहां समकित नहीं हो सकता है।

देव,शास्त्र व गुरू की आराधना कर हम भी बन सकते आराध्य :आचार्य श्री सुंदरसागर महाराज

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनशासन झुकता नहीं है ओर न ही किसी को झुकाता है। झुकना ही है तो अपनी आत्मा के अंदर झुककर देखे। वर्तमान में वर्धमान का शासन मिला है। वर्धमान बनना है उन्हें नीचे नहीं लाना है। भगवान अवतार नहीं लेते। जिनशासन अवतारवाद को नहीं मानता लेकिन अवतार को मानता है। अवतार की पूजा होती है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वषायोग) वषायोग प्रवचन के तहत बुधवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बिना काम किए कुछ हासिल नहीं होता। पैरो को चलाना शुरू कर दो मंजिल मिल जाएगी। भूत मर चुका है ओर भविष्य अजन्मा है ऐसे में वर्तमान को निहारने की जरूरत है। तुम्हारे पास जो देव,शास्त्र व गुरू है उन्हें निहारकर उनकी आराधना करो तुम भी आराध्य बन जाओंगे। एक मुट्ठी में संसार ओर एक मुट्ठी में मोक्ष है चाहे जिसको खोल लो यह तुम पर निर्भर है।

आत्म अनुष्ठान में रत साधु छोटे बड़े पशु पक्षी स्त्री पुरुष गरीब अमीर में कोई भेद नहीं करते : आचार्य कनकनंदी जी महाराज

पारडा ईटीवार. शाबाश इंडिया

सिद्धांत चक्रवर्ती वैज्ञानिक धमार्चार्य कनकनदी गुरुदेव ने पारडा ईटीवार से अंतरराष्ट्रीय वेबीनार में बताया कि योगी हमेशा आत्म अनुष्ठान में सलग्न में रहते हैं ' आत्मा के ध्यान अध्ययन में रत रहते हैं ' आत्म अनुष्ठान में रत साधु छोटे बड़े पशु पक्षी स्त्री पुरुष गरीब अमीर में कोई भेद नहीं करते। आधी व्याधि उपाधि मोक्ष मार्ग में बाधक है। साधु का लक्ष्य कृत कृत्य बनना, अरिहंत सिद्ध बनना है । महाराज श्री ने कहा मोह व प्रसिद्ध की चाह में साधु स्वयं की गरिमा को स्वयं ही नष्ट कर देते हैं । नाम चाहना प्रसिद्ध चाहना मिथ्या दृष्टि जीव का काम है । साधु स्वयं को श्रद्धा प्रज्ञा से सिद्ध स्वरूप मानता है चाहे णमोकार मंत्र भी ना आ रहा हो। आचार्य श्री कहते हैं जिस करनी से बने अरिहंत सिद्ध महान। उस करनी को हम करें हम तुम सिद्ध समान । जितने परमेष्ठी सिद्ध बने हैं उसका भी अनंतवा भाग भावी सिद्ध नरक में निगोद में है पापी है मिथ्या दृष्टि है ।

भविष्य कालीन सिद्धो को नमस्कार करना अतः भावी जो सिद्ध होने वाले हैं अभी किसी भी पर्याय में हो उनके भावी गुणो को नमस्कार किया जाता है। सोहम का अर्थ जो परमात्मा है वह मैं हूं साधु स्वयं को सोहंम मानते है ' इसलिए किसी में भेदभाव नहीं करते हैं ' प्राचीन शास्त्र श्रीभुवलय में भी कहा गया है कि सब धर्मो के भगवान को नमन है जो आठो कर्मों से रहित है ' जब भक्त भगवान के पास जाता है तो दास बनकर जाता है दासोहं दासोहं रटता रटता भगवान के दर्शन से नष्ट हो जाता है ' सोहंम रह जाता है। सोहम का ध्यान करते-करते सकार मिट जाता है फिर अविनाशी अविकारी अहम रह जाता है। अहम अर्थात मै आत्म तत्व को प्राप्त करना है । जो राग से युक्त जीवो को महत्व देता है वह स्वयं रागी द्वैषी बन जाता है। सत्ता संपत्ति बाहरी भौतिक पदार्थ आत्मा की शक्ति आत्मा का वैभव नहीं है।

विजयलक्ष्मी जैन से प्राप्त जानकारी संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा श्रेष्ठ समाजसेवा एवं शिक्षक सम्मान

इंदौर. शाबाश इंडिया। जैन रत्न भीष्म पितामह स्व. प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल जो कि समाजसेवा में विश्व जैन समाज के राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ पथ प्रदर्शक मार्गदर्शक रहे हैं, उनकी चतुर्थ पुण्य स्मरण पुण्यतिथि 5 सितंबर, शिक्षक दिवस पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, के तत्वावधान में पूरे भारत वर्ष में सोशल ग्रुप की शाखाएं 350 से अधिक सोशल ग्रुप के माध्यम से, अपने अपने शहर में स्थित किसी स्कूल-कॉलेज के शिक्षक जो कि समाजसेवा में श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं, उसी के साथ उसी संस्था के एक होनाहर विद्यार्थी जो कि समाजसेवा मानव सेवा जैसे सहयोग की भावना के साथ समाज में श्रेष्ठ कार्य कर रहा है, का भी सम्मान इस अवसर पर किया जाएगा। इस सम्मान का मुख्य उद्देश्य समाजसेवा जैसे अनुकरणीय कार्य कर रहे व्यक्तित्वों को समाज के समक्ष लाना है, ताकि उनकी विशेषता से समाजजन में प्रेरणा आ सके। फेडरेशन के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा प्रदीप कासलीवाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जैन विनायका , माहमंत्री विपुल बाझल,वितुल अजमेरा के नेतृत्व में पूरे भारतवर्ष के 17 रीजन के 350 से अधिक ग्रुप द्वारा 350 से अधिक स्कूल-कॉलेज में यह सम्मान समारोह संपन्न होगा।

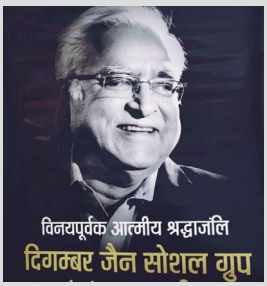

अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेने का अंतिम अवसर

जयपुर। SARK INDIA एवं चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 7 और 8 सितंबर 2024 को एस.एम.एस इंडोर स्टेडियम जयपुर में होने वाले टूर्नामेंट में गूगल फ़ार्म भरकर भाग लेने काअंतिम समय 5 सितंबर 24 रात्रि 11:00 बजे तक है।सुमित मोदी,(CHAIRMAN - SARK INDIA) ने बताया कि इस टूर्नामेंट में ग्रैंड मास्टर रॉय चौधरी , इंटरनेशनल मास्टर अर्घ्यदिपदास, सोमक पालित, आर्यन वर्धनय , आदित्य ढिंगरा, रामनाथान बालासुब्रमण्यम, फिडे मास्टर जॉयदीप दत्त, कैंडिडेट मास्टर यस भराडिया और होनी अरोड़ा जैसे धुरंधर खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी सभी प्रतिभागियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी है। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं राजस्थान संघ के निर्देशन में होने वाले इस टूर्नामेंट में हर उम्र के प्रतिभागी चेस पेरेंट्स एसोसिएशन कि वेबसाइट या ऑर्गिनाइजिंग सेक्रेट्री अमित गुप्ता 9413349001 के मोबाइल नंबर से भी एंट्री कर भाग ले सकते हैं ।अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेने का अंतिम अवसरSARK INDIA एवं चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 7 और 8 सितंबर 2024 को एसएमएस इंडोर स्टेडियम जयपुर में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने का अब अंतिम समय है ।चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट का विधिवत उदघाटन सुबह 10:15 बजे राजस्थान सरकार के खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे और इस टूर्नामेंट में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर की सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, विधायक गोपाल शर्मा, स्वामी श्री बालमुकुंद आचार्य, कालीचरण सर्राफ, संजय जैन, मोहनलाल गुप्ता, राजेंद्र राठौड़, सुरेश मिश्रा, पारस जैन ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और टूर्नामेंट में आने की स्वीकृति प्रदान की। इस दौरान CPA के अध्यक्ष अमित गुप्ता, सुनील जैन गंगवाल, अनीता गुप्ता, डॉक्टर लोकेंद्र शर्मा, जयंत चतुर्वेदी, पंडित दिनेश शर्मा, अरविंद चांवला, विमल पापड़ीवाल, कुलदीप सिंह,उदय सिंह यादव, अजय पारीक उपस्थित रहे। **मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन**

10वां विशाल गणेश महोत्सव 7 सितंबर से लेकर 17 सितंबर तक

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। हर वर्ष की तरह इस बार भी श्री गणेश महोत्सव कमेटी रावतसर ने दसवां विशाल गणेश महोत्सव दिनांक 7 सितंबर से लेकर 17 सितंबर तक रामलीला मैदान रावतसर में आयोजीत किया है। कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन गणेश कथा एव गणपति महामंत्र जाप प्रतिदिन दोपहर 2.15 बजे से साय 4.15 तक कथा वाचक पंडित बजरंग लाल शास्त्री थिराना वाले करेंगे विनायक पुजा 7 सितंबर से लेकर 17 सितंबर तक सुबह 8:15 बजे रोजाना की जाएगी संध्या महा आरती 7 सितंबर से लेकर 16 सितंबर तक प्रतिदिन 8:15 बजे रात्रि को की जाएगी गणेश महोत्सव में 15 सितंबर को सुबह 9:15 बजे से रात्रि जागरण का आयोजन भी किया गया है जिसमें गुलाब नाथ जी एण्ड पार्टी गायक कलाकार अपने भजनों की गंगा बहाएंगे जागरण में आकर्षक झांकियां भी जीतू आर्ट ग्रुप द्वारा सजाई जाएगी इस कार्यक्रम में गणेश जी का भव्य दरबार लगाया जाएगा! अखंड ज्योति व आकर्षक झांकियां मुख्य आकर्षण होगा 17 सितंबर को श्री गणेश जी को 2.15 नगर परिक्रमा का भ्रमण करवाया जाएगा 17 सितंबर को सुबह 10:15 बजे पूणार्हुति हवन व महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा 17 सितंबर को गणेश जी को भोग लगाकर12.15से 2.15 तक भंडारा वितरित किया जाएगा 11 सितंबर को नन्हीं राधा रानी ग्रुप अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी श्री गणेश महोत्सव कमेटी के आयोजको द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-जोर से की जा रही है कार्यकत्ओ ता में भरी जोश व उत्साह है बना हुआ है श्री गणेश जन्मोत्सव कार्यक्रम भी शंख ता ल मृदंग वेदों की ध्वनि के साथ 7 सितंबर 2024 दोपहर 12:05 पर मनाया जाएगा।

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

गुणहीन व्यक्ति यदि गुणवानों से प्रशंसा सुनकर आनंदित होता है तो वह लूला लंगड़ा, अंधा और बहरा होता है

सागर. शाबाश इंडिया

भाग्योदय तीर्थ पर अपने मंगल प्रवचन देते हुए निर्यापक श्रमण सुधा सागर जी ने कहा की हम पुण्यात्मा है हम शक्तिमान है, हम साधु है, हम भगवान है, जितना अपने आप को ऊंचा उठा सको उठाओ क्योंकि हमने आपसे कहा था कि तुम अपने आप को जितना नीचे गिरा सको गिराओ, जितना अपने आपको पुण्यहीन कह सकों अनुभूति में, शब्दों में नही तो शायद तुम्हे ये मंजूर नही। कोई व्यक्ति अपने आप को पापी, पुण्यहीन कहने को तैयार नहीं होता। चलो कोई बात नहीं हम दूसरी तरीके से आते हैं। तुम अपने आप को सबसे बड़ा मान लो, भगवान मान लो या जो तुम्हें अच्छा लगे वह मान लो लेकिन जानों बड़े का अर्थ क्या होता है? महाराज श्री ने कहा तुम महाराज के लिए जितने ऊँचे शब्द बोलते हो, यही तुम्हारी भक्ति है, इसमे निधत्त निकाचित पुण्य का बंध होता है, जितने गुण भगवान गुरु में हो, उतने ही गुण बोलने में सामान्य पुण्य का बंध होता है क्योंकि जो है वह तुम बोल रहे हो और जो तुम यह बोल

रहे हो कि मैं गुरु का नहीं, साक्षात भगवान का, चलते फिरते सिद्धों का दर्शन कर रहा हूँ, ये भाव जब तुम्हें आता है उस समय निधत्त निकाचित पुण्य का बंध होता है, ऐसे पुण्य का बंध होता है कि कितने ही पाप कर्म के विपरीत वातावरण आ जाए, तुम्हारा बाल बांका नहीं होगा। पूज्य समन्तभद्र महाराज ने कहा जिसको तू नमोस्तु कर रहा है, जिसका तू नाम ले रहा है उनको जितनी तेरी ताकत हो, जितना अपने आराध्य को उठा सके तो उतना ही निधत्त निकाचित पुण्य का बंध होगा। जैसा दुनिया कह रही है, वैसा मैं हूँ, ऐसा साधु ने मान लिया तो बस यहाँ से हमारा बंटाधार हो जाएगा और उसमें भी आनंद की अनुभूति आ गई तो सीधा साधु नही, मिथ्यादृष्टि हो जाऊँगा, इसलिए भक्तों की प्रशंसा कभी सुनना नहीं। उन्होंने कहा यदि फिर भी तुम्हे प्रसंशा सुनने का शौक हो तो एक बार पूज्य आचार्य श्री ने कहा था हम लोगों से कि देखों श्रावक तुम्हें क्या कह रहे है और तुम स्वयं को देखना मैं क्या हूँ? ऐसा भक्त के द्वारा की हुई प्रशंसा, स्वयं की निंदा का कारण बन जाये तो प्रशंसा सुनने का अधिकारी हो। हमारी प्रशंसा खुद की आलोचना का, पश्चाताप का कारण बन जाए तो उससे हमारी विशुद्धि और बढ़ेगी। यह हमें आदत में डालना है, जब जब कोई प्रशंसा करें, हमें खुद की निंदा करना है, जब जब कोई हमें धर्मात्मा कहे, अपने को अधर्मी सिद्ध करना है क्योंकि मन बेईमान है, अकड़कर चलेगा तो तुरन्त कहना क्या तू ऐसा है। ऐसे ही तुम श्रावकों को किसी ने कह दिया कि तुम वस्त्रों के अंदर भी मुनि हो, ये वस्त्र तो मात्र ऊपर से अछार है। तुम्हें इसमें थोड़ा सा भी आनंद आ गया कि देखा लोग मुझे मुनि मानते हैं, महानुभाव नीच गोत्र का बन्ध होगा, वे अंधे लूले, लंगड़े और बहरे होंगे। दशा तेरी असंयम की ही है और तुम अपने आपको मुनि मानने के बाद आनंद मना रहा है तो नीच गोत्र का बंध हो रहा है। गुणहीन व्यक्ति यदि गुणवानों से प्रशंसा सुनकर आनंदित होता है तो लूला लंगड़ा, अंधा और बहरा होता है। भिखारिन माँ अपने बेटे से कह रही है कि तू राजा बेटा है और दुनिया कह रही है कि आ गया भिखारी कही का, अब बताओ माँ सही है या दुनिया सही है, दोनों सही है क्योंकि माँ तुझमें भावी पर्याय देख रही है और जनता तुझ में वर्तमान पर्याय देख रही है। लेकिन तुम्हें वही मानना है जो तुम हो, तुम क्रोधी हो तो क्रोधी और लोभी हो तो स्वयं को लोभी मानना, पाप करते हो तो पापी बस जो तुम हो, उससे आगे मत बढ़ना। वही माँ को झूठा कहना मत और माँ ने जैसा कहा वैसा स्वयं को मनाना मत, यही बेटे का लक्षण है।

अजय जैन लांबरदार से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

नवीन 6 वेदियों का हुआ शिलान्यास

विद्यासागर प्रवचन हाल का हुआ लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज समिति हीरा पथ मानसरोवर के द्वारा निर्माणधीन जिनालय श्री 1008 नेमी नाथ जैन मंदिर हीरा पथ सैकटर 6 मे बुधवार को नवीन 6 वेदियो के पुण्यार्जको के द्वारा नीव का मुहूर्त मुनि श्री 108 अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागर महाराज के आशीर्वाद एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित विमल कुमार बनेठा के सानिध्य मे वेदी पुण्यार्जक विरेन्द्र - अलका जैन परिवार, महेन्द्र - सुशीला बडजात्या परिवार ,पदमा , विशाल , हिमाद्री ठोलिया परिवार , तारा चंद - तारामणी गोधा परिवार , रामजी लाल - भगवती देवी जैन परिवार एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के समस्त कार्य कारणी द्वारा समपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने बताया की नवीन संत भवन मे आचार्य श्री 108 विधा सागर प्रवचन हाल का लोकार्पण कमलेश कुमार - सावित्री देवी ,मनीष - ममता, रजनीश - रेनु , अर्जुन , जय अग्रवाल परिवार द्वारा किया गया। मंत्री सुरेन्द्र जैन ने बताया कि कार्यक्रम मे समाचार जगत के शैलेश गोधा , वास्तुकार राज कुमार कोठरी ,आर्किटेक्ट मुकेश सोगानी ,समाज श्रेष्ठी हंस राज लुहाडिया , नवीन गंगवाल , राजेंद्र , प्रकाश , देवेन्द्र , उतम चंद ,मनोज , राजेन्द्र सोगानी ,राजेद्र सोनी, विमल वाटिका उपस्थित थे । समिति के कोषाध्यक्ष सुरेश छाबडा ने बताया की अशोक जैन, सुनील पांड्या, महेश कुमार, छुट्टन

लाल, जिनेन्द्र जैन, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती तारामणी गोधा, सुलोचना , मीना , रूपा ,अनिता सभी महिला मडंल सदस्य उपस्थिति रहे। युवा मडंल के विवेक जैन विकास , अतुल , अमित , राहुल , रजनीश मौजूद थे। मंच संचालन आभा गोधा ने किया। हीरा पथ जैन समाज के सभी गण मान्य लोगो ने कार्यक्रम मे भाग लेकर सभी ने नीव मे शिलाये लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के आखिर मे धन कुमार कासलीवाल ने पधारे हुए सभी आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

साधुओं पर दुःख आ जाने पर उनको उचित अहिंसक उपायों से दूर करना वैयावृत्य कहलाता है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने बुधवार दिनांक 4 सितम्बर को षोडश कारण पर्व पर प्रवचन करते हुए बताया कि साधुओं पर दुःख आ जाने पर उनको उचित अहिंसक उपायों से दूर करना वैयावृत्य कहलाता है। शारीरिक व्याधियों के हो जाने पर अथवा अन्य प्रकार के दुःख आ जाने पर उनको उचित औषधियों अथवा सेवा वगैरह के द्वारा दूर करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। सेवा करते हुए तीन बातों का ध्यान रखना चाहिऐ श्रद्धा भक्ति से सेवा करें। मन में ऐसा भाव न आये कि मैं इन पर उपकार कर रहा हूं, आशीर्वाद की इच्छा नहीं होनी चाहिए। मेरी सेवा के बिना इनका काम नहीं चलेगा, ऐसी भावना नहीं होनी चाहिए। मुनि श्री ने वैयावृत्ति को कथानक से समझाते हुए बताया कि , राजा श्रेणिक ने यशोधर मुनिराज पर उपसर्ग किया, रानी चेलना ने मुनि की वैयावृत्ति कर उपसर्ग को दूर किया। राजा श्रेणिक को पश्चाताप हुआ। इसी प्रकार वैद राज जी ने मुनिराज की सेवा कर बीमारी ठीक की। मुनिराज ने उनकी प्रशंसा नहीं की, तो संक्लेश परिणाम होने से अगले भव में वह बंदर बनकर उन पर उपसर्ग किया। इस उपसर्ग पर उन्हें पछतावा हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन संदीप वैद व जयकुमार जैन एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण श्रीमती सुशीला काला ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती रेखा पाटनी, श्रीमती अलका निगोतिया ने किया। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सांयकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है। आचार्य श्री 108 शांति सागर जी महामुनिराज का 70 वां समाधि दिवस समारोह गुरुवार 5 सितंबर 2024 को परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज के सानिध्य में मनाया जाएगा।

किसी कार्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होने पर ही लक्ष्य प्राप्ति सम्भव है: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु - मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर गुरुवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से बुधवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें मुनि श्री ने बताया कि सागर दत्त मुनि से महामण्डलिक राजा आनन्द कुमार निर्गन्थ दीक्षा ग्रहण कर लेता है। इसी प्रसंग में मुनि श्री ने कहा कि आज का युवा उपाय पर ज्यादा केन्द्रित है। वह उपेय मतलब लक्ष्य निर्धारित तो करता है पर उसके प्रति पूर्ण रुप से समर्पित नहीं हो पाता है। और जब तक आप किसी काम के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित नहीं है तो आप वह लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते हैं। यही प्रक्रिया मोक्ष मार्ग पर चलने वालों पर लागू होती है। मन का शुद्ध और निर्मल होना जरूरी है। इसके लिए 12 तरह के तप बताये गये हैं। 6 बहिरंग तप एवं 6 अंतरंग तप। इनको तपने से मन विशुद्ध और निर्मलता को प्राप्त होता है। हमें लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मन में कोई शल्य नहीं रखना चाहिए। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। समाजश्रेष्ठी भाग चन्द, रूप कंवर, आशीष - टीना कोठयारी एवं परिवारजनों द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया। समिति के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी, विजय झांझरी ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया। समिति के कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले एवं कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटोदी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार , 05 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। चातुर्मास समिति से जुड़े हुए विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुनि श्री के सानिध्य में मानसरोवर के सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 पर 8 सितम्बर से 17 सितम्बर तक दशलक्षण महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उस दौरान 10 दिवसीय आत्म साधना शिविर लगेगा जिसमें पूरे देश से 1500 से अधिक श्रावक - श्राविकाऐ शामिल होगी।

रोटतीज कल (6 सितम्बर को)

घर घर बनेंगे रोट-दिगम्बर जैन धर्मावलम्बियों का रोट तीज पर्व शुक्रवार को

जैन मंदिरों में होगा तीन चौबीसी पूजा विधान - दशलक्षण महापर्व रविवार से -दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का रोट तीज पर्व शुक्रवार, 6 सितम्बर को मनाया जाएगा। इस मौके पर मंदिरों में तीन चौबीसी पूजा विधान का आयोजन होगा । घरों में रोट खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों, मित्रों को खिलाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस त्यौहार का बडा महत्व है। शुक्रवार को श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया जाएगा। श्री जैन ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चौबीस महाराज की तीन चौबीसी पूजा विधान की जाएगी। इस पूजा विधान से लक्ष्मी अटल रहती है। इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया जाता है। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के साथ षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत बुधवार 18 सितम्बर तक चलेगे । रविवार 8 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो मंगलवार 17 सितम्बर तक चलेगे। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें । जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। श्री जैन के मुताबिक शुक्रवार, 13 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी । मंगलवार 17 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होगें। बुधवार 18 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा । इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे, खोपरा मिश्री खिलायेगें।

श्री वीर सेवक मण्डल के पदाधिकारियों ने मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर, जयपुर में चातुर्मास हेतु प्रवासरत परम पूज्य 108श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य 108मुनि श्री समत्व सागर जी मुनिराज एवं 108मुनि श्री शील सागर जी महाराज के श्री वीर सेवक मण्डल,जयपुर के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मण्डल अध्यक्ष महेश काला, एवं मंत्री भानु छाबड़ा ने पूज्य मुनि श्री को मण्डल के कार्यो एवं गतिविधियां की जानकारी दी इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष प्रदीप गोधा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, व कार्यकारिणी सदस्य नरेश कासलीवाल, महेश बाकलीवाल, योगेश टोडरका उपस्थित थे। पूज्य मुनि श्री ने मण्डल द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

वर्धमान सागर यात्रा संघ की तीर्थ यात्रा संपन्न

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। वर्धमान सागर यात्रा संघ जयधोष के साथ अपनी यात्रा संपन्न कर वापस निवाई पहुंचा। निवाई जैन समाज के श्रावको ने सभी श्रद्धालुओं का सकुशल निवाई पहुंचने पर स्वागत किया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि सभी 40 यात्रियों ने 27 अगस्त को रवाना होकर जैन समाज के राष्ट्रीय संत आचार्य वर्धमान सागर महाराज के श्री फल चढ़ाकर जयकारों के साथ दर्शन किए। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संघी ने बताया कि यात्रा संयोजक विमल जौंला के नेतृत्व में सभी यात्रियों के समूह ने गाजे बाजे के साथ एक सूत्र में बंधकर आचार्य श्री के चरणों में निवाई आने के लिए निवेदन किया आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने सभी यात्रियों को मुस्कुराते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इसके बाद शकुंतला छाबड़ा संजू जौंला त्रिलोक सिरस हुकुमचंद जैन महेंद्र चंवरिया अजीत काला हितेश छाबड़ा विमल जौला विमल सोगानी पदम जैन ज्ञानचंद जैन सुरेश जैन दिनेश सोगानी ताराचंद जैन राकेश सांवलिया ने आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में जिनेंद्र भगवान का शांतिधारा पंचामृत अभिषेक के साथ कलशाभिषेक कर पूजा अर्चना की। यात्रा संघ के संयोजक विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि संघ में विराजमान हितेंद्र सागर महाराज से विश्व शांति के लिए अहिंसा एवं जीओ और जीने दो पर चर्चा हुई।

प्रज्ञा सागर उद्यान में हुआ वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधवार 4 सितम्बर को मातृशक्ति द्वारा प्रज्ञा सागर उद्यान, श्योपुर, सेक्टर 76 प्रताप नगर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता निंबाराम क्षेत्रीय प्रचारक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पूरब पश्चिम क्षेत्र थे। वृक्षारोपण के मौके पर निंबाराम द्वारा बताया गया कि वृक्षारोपण होने से ही प्रगति का संतुलन रहेगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सुमन शेखावत रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेकानन्द आश्रम के स्वामी एसपी आचार्य थे। मातृशक्ति द्वारा विभिन्न प्रजातियों एवं फलों के पौधे लगाकर वृक्षारोपण का कार्य किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

राजस्थान की सबसे विशाल जैन संगीतमय हाऊजी 14 सितम्बर को

सामूहिक जिनेन्द्र आराधना एवं जेएसजी गोल्ड के संयुक्त तत्वावधान में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामूहिक जिनेंद्र आराधना संस्था और जैन सोशल ग्रुप जयपुर गोल्ड की ओर से राजस्थान की सबसे विशाल हाऊजी का प्रस्तुतिकरण शनिवार, 14 सितंबर को रात 7 बजे से मनिहारों का रास्ता स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर बड़ा दीवान जी के परिसर में आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी एसजेए महामंत्री धीरज पाटनी और समन्वयक संजय काला एवम् जेएसजी गोल्ड के अध्यक्ष राजकुमार बैद, सचिव मनीष चांदवाड़ तथा कार्यक्रम के मुख्य सयोजक सुरेंद्र पाटनी ने देते हुए बताया कि इस आयोजन में फरमाइश की जैन संगीतमय हाऊजी पर भक्ति नृत्य के सुरम्य वातावरण में पूर्व की भांति 150 से भी अधिक पुरस्कार दिये जाएंगे। इस वर्ष 9 वा सीजन है,इस विशाल जैन संगीतमय हाऊजी के प्रोग्राम का और इसके सूत्रधार एवम्-प्रस्तुतकर्ता सुप्रसिद्ध संचालक तथा हाऊजी रचियता राकेश गोधा अपनी टीम के साथ इसको प्रस्तुत करेंगे। लगभग 2500 से भी ज्यादा जेंट्स, लेडीज और बच्चे इस हाऊजी को एक साथ खेलते है,और इतनी विशाल गेदरिंग में समाज के 2 जैन रत्नों को पूरी ऊर्जा के साथ सम्मानित किया जाएगा।

रामकथा के पोस्टर का विमोचन कर प्रथमपूज्य को दिया रामकथा का निमंत्रण

छोटी काशी स्थित विद्याधर नगर स्टेडियम में 7 से 15 नवंबर तक होगी रामकथा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीबालाजी गौशाला संस्थान, सालासर के सान्निध्य में और विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति जयपुर के तत्वावधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में 7 से 15 नवंबर तक दोपहर 2 बजे से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज श्रोताओं को रामकथा का रसास्वादन करवाएंगे। विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि बुधवार को प्रथमपूज्य को आयोजन का निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर समारोह के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर अनिल संत, पंकज ओझा, जितेन्द्र मित्रुका, डॉ. सुनील शर्मा, सुधीर जैन गोधा, गब्बर कटारा, दुगार्लाल माली पुष्पेन्द्र भारद्वाज, सचिन रावत, गोपेश शर्मा, बजरंग शर्मा (नेता), राजेन्द्र कासलीवाल, विवेक पोद्दार, कमल अग्रवाल, गोपाल शर्मा, दीपक गर्ग, टिंकु राठौड़, जितेश पारीक उपस्थित रहे। श्रीबालाजी गौशाला संस्थान, सालासर के अध्यक्ष रविशंकर पुजारी ने बताया कि जयपुर पहुंचने पर महाराज का एयरपोर्ट से कथा स्थल तक भव्य स्वागत किया जएगा। पुजारी ने बताया कि एयरपोर्ट से विद्याधर नगर तक के मार्ग में सौ तोरण-द्वार बनाए जाएंगे। मार्ग में हेलीकॉपटर से पुष्पवर्षा की जाएगी।

शाही लवाजमे के साथ निकलेगी कलश यात्रा: विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि 6 नवंबर को शाही लवाजमे और बैंडबाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा में 51 सौ महिलाएं पारंपरिक परिधान में सिर पर कलश धारण किए चलेंगी। कलश यात्रा क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होते हुए कथास्थल पहुंचेगी। कलशयात्रा का मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा।

डा पीयूष त्रिवेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को मर्म चिकित्सा पुस्तक भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। डॉ. पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी प्रभारी राजस्थान विधान सभा ने आज पूर्व मुख्यमंत्री महोदय अशोक गहलोत को स्वास्थ्य चर्चा के दौरान अपनी मर्म चिकित्सा पुस्तक भेंट की,गहलोत जी ने डा पीयूष त्रिवेदी की मर्म चिकित्सा को रोगियों की चिकित्सा में उपयोगी बताया।

5 सितम्बर

श्री भीम काकरवाल

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अशोक जैन, गोपी अग्रवाल, कैलाश, हनुमान सोनी
एवं समस्त गौ सेवा परिवार दुर्गापुरा गोशाला जयपुर